जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोन:- 230200, 230400 फैक्स:- 07469-230600 | वर्ष: 17 | संख्या: 367 | प्रभात | हिण्डौन सिटी, मंगलवार, 11 नवम्बर, 2025 | पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

लाल किले के बाहर कार विस्फोट में 13 की मौत

दिल्ली में हाई अलर्ट, जाँच एजेंसियों ने सर्च अभियान शुरु किया

- पुलिस कमिश्नर के अनुसार, धीमी गति से चल रही गाड़ी लाल बत्ती पर रूकी, उसमें विस्फोट हुआ, जिसमें आस-पास की गाड़ियाँ, स्कूटर आदि चपेट में आ गये।
- ब्लास्ट आई-20 कार में हुआ, जिसमें कुछ लोग बैठे थे। ब्लास्ट कार में पीछे की तरफ हुआ, पर मौके पर कोई गड्ढा नहीं हुआ।

नई दिल्ली, 10 नवंबर। दिल्ली में लाल किले के पास सोमवार देर शाम करीब सात बजे एक कार में जोरदार धमाका हुआ। धमाके के साथ ही, वहां खड़ी कई कारों में आग लग गई। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई है, जबकि लगभग 24 लोग घायल बताए जा रहे हैं। एनआईए की टीम मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी गई है। धमाके के बाद दिल्ली-एनसीआर को अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने गृह मंत्रालय को घटना की पूरी जानकारी दी है। राजधानी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

ब्लास्ट की लोकेशन के वीडियो और चश्मदीदों के बयानों के अनुसार, यह घटना लाल किले से लगभग 150 मीटर और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन (दिल्ली जंक्शन) से 500 मीटर से भी कम दूरी पर हुई। यह जगह चांदनी चौक रोड पर मौजूद जैन मंदिर के पास की बताई जा रही है।

ज्ञातव्य है कि लाल किला क्षेत्र दिल्ली के सबसे ज्यादा व्यस्त और घनी आबादी वाले इलाके में शामिल है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अनुसार, लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास खड़ी एक कार में विस्फोट की सूचना मिली, जिसके बाद आसपास खड़ी तीन से चार गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गई और क्षतिग्रस्त हो गईं।

धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास की दुकानों के शीशे और दरवाजे-खिड़कियां टूट गये, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने कहा, "आज शाम करीब 6.52 बजे एक धीमी गति से चल रही गाड़ी लाल बत्ती पर रुकी। उस गाड़ी में विस्फोट हुआ और विस्फोट की वजह से आस-पास की गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचा। सभी एजेंसियां, एफएसएल, एनआईए, यहां हैं... घटना में कुछ लोगों की मौत हुई है और कुछ घायल हुए हैं। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। गृह मंत्री ने भी हमें बुलाया है और समय-समय पर उनके साथ जानकारी साझा की जा रही है।"

मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय भार्गव ने कहा, लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद मंगलवार को चांदनी चौक बाजार बंद रहेगा।

दिल्ली लालकिला कार धमाके में पुलिस को कुछ अहम लीड मिले हैं, जिनके आधार पर दिल्ली और आस-पास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दिल्ली पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों ने सर्च शुरू कर दी है।

दिल्ली धमाके से जुड़ी जो नई और अहम जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार ब्लास्ट आई-20 कार में हुआ, जिसमें कुछ और लोग भी सवार थे। ब्लास्ट कार में पीछे तरफ हुआ। ब्लास्ट के बाद मौके पर कोई गड्ढे नहीं हुए और न किसी घायल के शरीर में कीलें या तार चुभे हैं। स्पेशल सैल टीम फोरेंसिक एक्सपर्ट के साथ, जिस गाड़ी में ब्लास्ट हुआ, उसके टूटे पुर्जों से गाड़ी का नंबर तलाशने में जुटी है।

चाँदी के आभूषणों से भरी 100 किलो की तिजोरी की चोरी

- तीन नकाबपोश तिजोरी को बाइक पर लेकर भागे।

जयपुर, 10 नवंबर। बजाज नगर थाना शनिवार देर रात तीन अज्ञात नकाबपोश नकबजन एक ज्वेलर के घर से 100 किलो वजनी चांदी के आभूषण से भरी तिजोरी लेकर फरार हो गए। पीड़ित को मामले की जानकारी शुक्रवार सुबह मिली। इसके बाद पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों नकाबपोश बदमाशों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने एफएसएल टीम की सहायता से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाकर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने बताया कि तीनों नकाबपोश बदमाश बाइक से आए और मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे। इसके बाद के प्रथम तल पर रखी 100 किलो की तिजोरी को सीढ़ियों से घसीटते हुए नीचे लाए। आरोपियों ने घटना स्थल पर, ही तिजोरी का लॉक तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन असफल होने पर दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बी.बी.सी. के सी.ई.ओ. व न्यूज़ डिविजन के मुखिया ने अचानक इस्तीफा दिया

दोनों ने अपनी गलती स्वीकार की कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के वक्तव्यों को गलत ढंग से पेश किया था, बी.बी.सी. ने जनवरी 2021 में

- उस समय ट्रंप के वक्तव्यों को इस तरह से काट-छांट करके पेश किया था बी.बी.सी. ने, जिससे लगा कि ट्रंप ने उत्पातियों को प्रोत्साहित किया था कि वे अमेरिकी सरकार के प्रशासनिक मुख्यालय, केपिटल हिल पर आक्रमण करके गैरवाजिब ढंग से निर्वाचित घोषित बाइडन को राष्ट्रपति न बनने दें।
- यह प्रस्तुतिकरण गलत और भ्रमित करने वाला था, बी.बी.सी. के तत्कालिक न्यूज़ एडवाइजर माइकल प्रेस्कॉट ने अपनी ऐसी रिपोर्ट बनाकर बी.बी.सी. प्रशासन को दी थी।

-अंजन रॉय---

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवंबर। पीढ़ियों से भारतीयों के लिए निष्पक्ष खबरों का पर्याय रही बी.बी.सी. इन दिनों विवादों के घेरे में है और इस विवाद के केन्द्र में कोई और नहीं, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप हैं।

बी.बी.सी. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और समाचार प्रमुख, दोनों ने अचानक इस्तीफा दे दिया है। यह संस्था अब अचानक बिना किसी प्रमुख के है, जबकि संस्था के भविष्य से जुड़े कुछ अहम फैसले लिए जाने वाले हैं।

विवाद की जड़ एक संपादन की गलती है। यह गलती उस भाषण से जुड़ी है, जो डॉनल्ड ट्रंप ने 6 जनवरी 2021 को दिया था, जब अमेरिकी संसद भवन "कैपिटल हिल" पर भीड़ ने हमला किया था। भीड़ का आरोप था कि उस साल का राष्ट्रपति चुनाव धांधलीपूर्ण था। तत्कालीन राष्ट्रपति ने तर्क दिया था कि जिस चुनाव में जो बाइडन विजेता घोषित हुए, वह सही नहीं था और जिससे उन्हें वास्तव में जीता हुआ जनादेश नहीं मिला।

उस दिन डॉनल्ड ट्रंप के भाषण को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने फलोदी की सड़क दुर्घटना का स्वमेव प्रसंज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किए

नोटिस नैशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा सड़क यातायात मंत्रालय को जारी किया गया है और दो सप्ताह में जवाब मांगा है

- दो नवंबर को एक टैम्पो ट्रैवलर, जो श्रद्धालुओं को कोलायत मंदिर में दर्शन कराकर लौट रही थी, एक ढाबे के पास खड़े ट्रेलर ट्रक में घुस गई थी तथा दुर्घटना में पंद्रह व्यक्तियों की जान गई थी।
- सुप्रीम कोर्ट ने दोनों सरकारी विभागों से रिपोर्ट मांगी है कि वे यह बताएं कि यह दुर्घटना क्यों हुई तथा इस हाइवे पर कितने ढाबे चल रहे हैं तथा वाहनों की सुरक्षा के क्या प्रबंध हैं, सड़क का रखरखाव कैसा है, आदि-आदि।

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (नैशनल हाइवेज़ अथॉरिटी ऑफ इंडिया -एन.एच.ए.आई.) और सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वे हाल ही में राजस्थान के फलोदी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे पर विस्तृत जवाब दाखिल करें। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 10 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे।

न्यायमूर्ति जे. के. महेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने 2 नवम्बर की दुर्घटना के बाद स्वत: संज्ञान लेते हुये दोनों अधिकारियों को नोटिस जारी किये। पीठ ने इस घातक दुर्घटना के कारणों पर उनसे दो सप्ताह के अन्दर जवाब माँगा है। अदालत ने यह भी कहा है कि फलोदी से गुजरने वाले राजमार्ग के सन्दर्भित हिस्से का विस्तृत सर्वे किया जाए और एक रिपोर्ट दाखिल की जाए, जिसमें मार्ग के किनारे चल रहे ढाबों या खाने-पीने की दुकानों की संख्या का उल्लेख हो।

यह हादसा भरतमाला राजमार्ग पर मातोड़ा गांव के पास हुआ था, जब एक टेंपो ट्रैवलर, जिसमें बीकानेर के कोलायत मंदिर से जोधपुर लौट रहे श्रद्धालु सवार थे, खड़े ट्रेलर ट्रक से टकरा गया। इस टक्कर में 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने इस घटना पर स्वत: संज्ञान लेकर राष्ट्रीय राजमार्गों की सुरक्षा, रखरखाव के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली विस्फोट के कार मालिक की पहचान हुई

- वाहन हरियाणा के नदीम खान के नाम से पंजीकृत है। पुलिस उसकी तलाश में हरियाणा रवाना हो गई।

नयी दिल्ली, 10 नवंबर। दिल्ली पुलिस को कार के पंजीकृत मालिक की पहचान के साथ एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

सूत्रों के मुताबिक वाहन नदीम खान नाम के व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है। इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। दिल्ली पुलिस हरियाणा पुलिस के संपर्क में है और स्पेशल सेल की एक टीम इस सुराग का पता लगाने के लिए हरियाणा रवाना हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच संदिग्धों को पकड़ने के लिए दिल्ली और एनसीआर में कई जगहों पर एक साथ छापेमारी कर रही हैं। कई टीमों को इस काम में लगाया गया है।

घटनाक्रम को जोड़ने के एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, जाँचकर्ता सभी उपलब्ध कैमरों की वीडियो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो कश्मीरी डॉक्टरों के फरीदाबाद मकान से 350 किलो विस्फोटक बरामद

महिला डॉक्टर फरीदाबाद के अल-फलाह स्कूल ऑफ मैडिकल साइंस में कार्यरत डॉ. शकील के साथ काम कर रही थी

- डॉ. शकील कैम्पस में रहते थे, किन्तु उन्होंने बाहर भी एक कमरा ले रखा था।
- पुलिस के अनुसार, शकील के पास यह साढ़े तीन सौ किलो विस्फोटक 2 सप्ताह पहले पहुँचा था। पुलिस का मानना है कि शकील आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबंध रखता है।

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवंबर। दो कश्मीरी डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद हरियाणा के फरीदाबाद में एक घर से करीब 350 किलो विस्फोटक सामग्री (संभावित रूप से अमोनियम नाइट्रेट), हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अदील अहमद राथर और मुज़म्मिल गनई के रूप में हुई है।

यह भारी मात्रा में बरामद किया गया यह विस्फोटक और हथियार फरीदाबाद के एक किराए के मकान से मिले। इनमें एक कश्मीरी महिला डॉक्टर भी संदिग्ध पाई गई है। जांच में पाया गया कि एक कार, जिसमें असॉल्ट राइफल, पिस्तौल और गोला-बारूद रखा गया था, फरीदाबाद के एक अस्पताल में कार्यरत महिला डॉक्टर की है जो डॉक्टर मुजम्मिल शकील के साथ काम करती थी।

फरीदाबाद के कोड एच.आर. 51 से शुरू होने वाली मारुति सुज़ुकी स्विफ्ट कार की तलाशी पुलिस ने शकील से पूछताछ के बाद ली। उसकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने लगभग 350 किलो विस्फोटक सामग्री (संभावित रूप से अमोनियम नाइट्रेट), 20 टाइमर और अन्य संदिग्ध वस्तुएं बरामद कीं। यह बरामदगी एक किराए के कमरे से की गई।

पुलिस के अनुसार, मुजम्मिल शकील पिछले तीन वर्षों से फरीदाबाद के अल-फलाह स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ डॉक्टर के रूप में कार्यरत था। वह कॉलेज परिसर में रहता था, लेकिन धोज गांव में एक कमरा किराए पर लिया हुआ था।

उसे करीब दस दिन पहले गिरफ्तार किया गया था जब पुलिस को उसकी संदिग्ध गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली। पूछताछ में उसने पुलिस को किराए के कमरे और अपनी महिला सहयोगी की कार के बारे में बताया।

उसके कमरे पर छापे के दौरान 8 बड़े और 4 छोटे सूटकेस मिले, जिनमें विस्फोटक पदार्थ भरे हुए थे, जो संभवत: अमोनियम नाइट्रेट था। जम्मू-कश्मीर पुलिस और हरियाणा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कार से ए.के.-74 असॉल्ट राइफल, मैगज़ीन, 83 जिंदा कारतूस, एक पिस्तौल, 8 जिंदा गोलियां, 2 खाली कारतूस और 2 अतिरिक्त मैगज़ीन भी बरामद की गई। अब महिला डॉक्टर से पूछताछ की जा रही है ताकि उसकी भूमिका स्पष्ट हो सके।

पुलिस का कहना है कि 350 किलो विस्फोटक सामग्री शकील को लगभग दो हफ्ते पहले मिली थी। संदेह है कि उसका संबंध आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से हो सकता है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रीय राजधानी के इतना करीब इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक क्यों इकट्ठे किए गए। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक दिल्ली के आसपास तक बिना किसी निगरानी के कैसे पहुंच गया।

सूत्रों के अनुसार, यह मामला 27 अक्टूबर से जुड़ा है, जब श्रीनगर में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगाए गए थे। स्थानीय पुलिस की जांच में सीसीटीवी फुटेज से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में अत्यधिक सतर्कता के निर्देश

- 18-अलर्ट---
- पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने अधिकतम पुलिस बल सड़कों पर तैनात करने के लिए कहा।

जयपुर। दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए विस्फोट की सूचना के मद्देनजर राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सभी डीसीपी और एसपी को निर्देश दिए हैं कि वे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, शॉपिंग मॉल, धार्मिक स्थलों आदि जैसे भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर अत्यधिक सतर्कता बनाए रखें।

उन्होंने अधीनस्थ समस्त पुलिस अधिकारियों को कहा है कि अधिकतम पुलिस बल को सड़कों पर तैनात करें तथा अपने बीडीएस दलों को भी सतर्क रखें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी पुलिस अधीक्षक,उपायुक्त स्वयं निगरानी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश के बिहार चुनाव में सैंट्रल फिगर के रूप में उभरने से एनडीए मजबूत स्थिति में आई

द्वितीय चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर यह भी साफ नज़र आया कि एनडीए, विशेषकर भाजपा का चुनाव अभियान फोकस्ड था, जबकि महागठबंधन की रणनीति बिखरी-बिखरी सी रही

- कांग्रेस की ओर से प्रियंका और राहुल "वोट चोरी" के मुद्दे पर ही अटक गये, जबकि भाजपा ने द्वितीय चरण में, विशेषकर सीमांचल में, जहाँ काफी भारी सख्या में मुसलमान हैं, सुसंगठित तरीके से प्रचार किया कि महागठबंधन आतंकवादियों के अतिक्रमणों के लिए सुरक्षित गली (कॉरीडोर) बनाना चाहता है।
- साथ ही यह भी जोरों से प्रचारित किया और चेताया गया कि आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन की कट्टा ब्रिगेड पुनः जंगल राज स्थापित करना चाहती है बिहार में।
- केवल तेजस्वी पर भार पड़ा, चुनाव प्रचार में लोकल मुद्दों व स्थानीय परेशानियों पर फोकस लाने का।
- गत चुनाव में द्वितीय चरण में 120 सीटों में से सत्तर भाजपा ने जीती थीं, बाकी महागठबंधन की झोली में आई थीं। इस बार एनडीए पिछली बार का रिकॉर्ड तो नहीं दोहरा पाएगा, पर उसका पलड़ा आरजेडी से भारी ही रहेगा।

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। बिहार चुनाव में नीतीश कुमार का फिर से प्रमुख चेहरा बनकर उभरना, एनडीए के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। मंगलवार को होने वाले दूसरे और अंतिम चरण के मतदान में 20 जिलों की 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे, जिनमें सीमांचल क्षेत्र भी शामिल है, जहां घनी मुस्लिम आबादी है।

लेकिन एनडीए के सामने चुनौतियाँ भी हैं। सत्तारुढ़ गठबन्धन के लिये 2020 की स्थिति को बनाए रखना या और भी बेहतर करना आसान नहीं है। 2020 में एनडीए ने इस क्षेत्र में 70 सीटें जीती थीं, जबकि महागठबंधन को 50 सीटें मिली थीं। लेकिन कुछ कारक एनडीए के पक्ष में काम कर रहे हैं, जैसे भाजपा का अंतिम समय पर दिया गया यह बयान कि जीत की स्थिति में नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसके अलावा, महागठबंधन के पार्टनर मुकेश सहनी की वीआईपी पार्टी के कमजोर प्रचार ने भाजपा को निषाद वोट बैंक में सेंध लगाने का मौका दे दिया है। साथ ही, चुनाव के आखिरी दौर में प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के प्रभाव में आई गिरावट ने भी एनडीए का मनोबल बढ़ाया है।

भाजपा ने अपना प्रचार अपने पारंपरिक एवं विशिष्ट अंदाज़ में किया है, इण्डिया ब्लॉक पर "घुसपैठियों का गलियारा" बनाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए, विपक्ष को "कट्टा ब्रिगेड" करार दिया है और जनता को "जंगल राज की वापसी" की चेतावनी दी है।

वहीं दूसरी ओर, महागठबंधन का प्रचार कुछ बिखरा हुआ नज़र आया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी "वोट चोरी" के मुद्दे पर ही अटके रहे, जिससे आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर स्थानीय मुद्दों पर चुनाव अभियान चलाने की पूरी जिम्मेदारी आ पड़ी। तेजस्वी ने यह कहते हुए हमला बोला कि नीतीश कुमार केन्द्र के हाथों की कठपुतली हैं। साथ ही, तेजस्वी ने उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तथा हर परिवार को एक सरकारी नौकरी देने का वादा किया। लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह कोशिश अब बहुत देर से की जा रही है। एक वरिष्ठ बिहार पर्यवेक्षक ने कहा, महागठबंधन अपना प्रचार और ज़्यादा केन्द्रित, एकजुट और धारदार तरीके से चला सकता था।

एनडीए की ओर से इस चरण में, भाजपा 53 सीटों पर, जदयू 44 सीटों पर, एलजेपी (रामविलास) 15 पर, आरएलडी 4 पर और हम 6 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दूसरी ओर, महागठबंधन में आरजेडी 72 सीटों पर, कांग्रेस 37 पर, वीआईपी 10 पर और अन्य सहयोगी दल 4 सीटों पर चुनाव मैदान में हैं।

दिल्ली विस्फोट की हर एंगल से जांच होगी- अमित शाह

- उन्होंने आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों की जांच के आदेश दिये।

नयी दिल्ली, 10 नवंबर। दिल्ली में लाल किले के सामने सोमवार शाम हुए विस्फोट के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि घटना की हर एंगल से जांच की जायेगी।

शाह ने विस्फोट पर सरकार की तरफ से दिए पहले बयान में कहा, "हम सभी संभावनाओं को तलाश रहे हैं और सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर इसकी गहन जांच की जायेगी। सभी विकल्पों की तुरंत जांच करके जांच के नतीजे जनता के सामने रखेंगे।"

उन्होंने कहा कि विस्फोट एक आई20 कार में हुआ। प्राथमिक सूचना के अनुसार, कुछ लोग हताहत भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि 10 मिनट के अंदर स्पेशल सैल की एक टीम मौके पर पहुंच गयी। एनएसजी और एनआईए की टीम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)